PRICE 3679/-

- ❖ यंत्र बनाने की सही विधि: ग्रहों की आकृतियाँ और धातुएँ, विभिन्न ग्रहों और दिशाओं के यंत्र बनाने का शुभ समय।
- ❖ Proper method of making a Yantra: Shapes & Metals of Planets, auspicious time for preparing Yantras of different Planets & Directions.
- ❖ वास्तु यंत्र: ॐ, लक्ष्मी, स्वस्तिक, श्री यंत्र, गणेश, हनुमान, कृत्या यंत्र, शिव-शक्ति यंत्र, दिक् सूचक यंत्र, सांपों का जोड़ा, मुख्य द्वार पर तोता लटकाना, गाय और बछड़ा, नींबू और सात हरी मिर्च, मंगल कलश, तोरण (बंदनवार), मानव हाथ और पैरों की छाप, घोड़े की नाल, गतिमान वस्तुएं, फव्वारे, मछलीघर, भारी वस्तुएं आदि।
- ❖ Vaastu Yantras: Aum, Lakshmi, Swastika, Shri Yantra, Ganesha, Hanumana, Kritya Yantra, Shiv Shakti Yantra, Dik Soochak Yantra, Couple of Snakes, Hanging a parrot on the main door, Cow and Calf, Lemon & seven green chillies, Mangala Kalash (Auspicious Pitcher), Toran (Bandanvara), Human Hand and Foot Prints, Horse shoe, Moving Objects, Fountains, aquariums, heavy objects etc.
- ❖ वैदिक वास्तु शास्त्र में दस दिक्पालों के यंत्र
- ❖ Yantras of ten Dikpalas in Vedic Vastu Shastra
- ❖ वैदिक ज्योतिष में नौ ग्रहों के यंत्र
- ❖ Yantras of Nine Planets in Vedic Astrology

_____

(टिप्पणी: इन शास्त्रीय उपायों को विस्तारपूर्वक समझाने के लिए ज्योतिष, वास्तु-शास्त्र, हस्तरेखाशास्त्र, अंकशास्त्र, टैरो कार्ड रीडिंग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, इंटीरियर डिजाइनिंग और डेकोरेशन, कुंडलिनी के चक्र, योग और ध्यान आदि से व्यावहारिक उदाहरण लिए जायेंगे.

Note: Practical examples from Astrology, Vaastu Shastra, Palmistry, Numerology, Tarot Card Reading, Naturopathy, Ayurveda, Interior Designing & Decoration, Kundalini Chakras, Yog and Meditation will be taken while explaining these classical remedial measures.)